

प्रेषक:

डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,
श्री देव सुमन विश्वविद्यालय,
बादशाहीथौल, टिहरी।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून: दिनांक: 22 जून, 2016

विषय:- श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय (एफिलिएटिंग विश्वविद्यालय) के अन्तर्गत दो मंजिला परीक्षा हॉल के निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-एस0डी0एस0यू0वी0/प्रशासन/2015-16/3152 दिनांक 19.02.2016 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उक्त सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय (एफिलिएटिंग विश्वविद्यालय) के अन्तर्गत दो मंजिला परीक्षा हॉल के निर्माण हेतु आंगणन रू0 222.31 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित औचित्यपूर्ण धनराशि रू0 217.00 लाख के आंगणनों पर प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान करते हुये उतनी ही धनराशि रू0 217.00 लाख (रू0 दो करोड़ सत्तरह लाख मात्र) की धनराशि विश्वविद्यालय के स्वयं के संसाधनों से व्यय किये जाने की निम्नलिखित प्राविधानों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत की गयी धनराशि का शीघ्रातिशीघ्र उपभोग सुनिश्चित कराते हुए कार्यदायी संस्था को कार्य की प्रगति में समुचित तेजी लाये जाने हेतु भी निर्देशित किया जाय, जिससे कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो सके। भवन की लागत का पुनरीक्षण किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा। शासन से अनुदान की प्रत्याशा नहीं किया जायेगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि की गयी हैं। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (3) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (4) शासनादेश संख्या-159/XXIV(6)/2008 दिनांक 19 दिसम्बर, 2008 में समस्त उल्लिखित शर्तें यथावत् लागू रहेंगी।
- (5) प्रश्नगत निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु विश्वविद्यालय निर्धारित समयान्तर्गत सभी औपचारिकताएं पूर्ण हुए भवन का नियमानुसार निर्माण कार्य करवाया जाय तथा राज्य सरकार से प्रश्नगत निर्माण कार्य के लिए अतिरिक्त धनराशि का वहन नहीं किया जायेगा।



- (6) निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी।
- (7) व्यय उन्हीं कार्यों एवं योजनाओं पर किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है। इसके अतिरिक्त भवन का पुनरीक्षित आंगणन स्वीकृत नहीं किया जाएगा।
- (8) व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008, डी0जी0एस0एन0डी0 की दर संबंधी शासनादेशों का पूर्ण पालन किया जाना होगा।
- (9) उपलब्ध कराये गये डी0पी0आर0 पर परीक्षण नोट के अनुसार संशोधित डी0पी0आर0 तत्काल कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर उपलब्ध कराये। परीक्षण नोट एवं सर्विस टैक्स से सम्बन्धित वित्त विभाग का शासनादेश दिनांक 19 अप्रैल, 2016 संलग्न है।
- (10) यह आदेश वित्त विभाग द्वारा उनके अशासकीय पत्र संख्या-2(P)XXVII(3)/16-17 दिनांक 21.04.2016 द्वारा प्राप्त सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,
(डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा)
अपर सचिव।

पू०सं०: 184 (1)/XXIV(6)/2016/ 4 (8)/14, तददिनांक।

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग देहरादून।
2. कुलपति, श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, टिहरी।
3. सचिव, मा० उच्च शिक्षा, मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, टिहरी।
5. कोषाधिकारी, नई टिहरी।
6. जिला शिक्षा अधिकारी, टिहरी।
7. परियोजना प्रबन्धक उ०प्र०राजकीय निर्माण निगम, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड शासन।
9. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।